डीएम ने दिलाई देश की एकता व अखण्डता की शपथ

लौह पुरूष की जयंती पर रन फार यूनिटी का आयोजन

हर्षोउल्लास

रुद्रप्रयाग। **संवाददाता**

लौह पुरूष सरदार बल्लभ भाई पटेल की जयन्ती जनपद में हर्षोउल्लास से मनाई गई। सभी सरकारी कार्यालयों में एकता की शपथ दिलाई गयी, वहीं जिला मुख्यालय में रन फॉर यूनिटी का आयोजन किया गया।

राष्ट्रीय एकता दिवस के पर जिलाधिकारी मंगेश घिल्ड़ियाल ने कलक्ट्रेट परिसर में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को देश की एकता, अखंडता व सुरक्षा की शपथ दिलाई। कहा कि सरदार बल्लभ भाई पटेल की स्मृति में उनके जन्म दिवस को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाया जा रहा है। उन्होंने विभागीय अधिकारियों व कर्मचारियों को विकास को लक्ष्य बनाकर ईमानदारी व टीम भावना के साथ कार्य करने को कहा। राष्ट्रीय एकता दिवस पर अन्य विभागों में भी देश की एकता व अखण्डता की शपथ ली गई। वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय एकता दिवस पर रूद्रा कॉम्पलैक्स से पेट्रोल पम्प (मकड़ी बाजार) तक आयोजित रन फॉर यूनिटी को मुख्य विकास अधिकारी सरदार सिंह चौहान एवं उप जिलाधिकारी बृजेश तिवाड़ी ने हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया और खुद भी देश की एकता और अखण्डता के लिए दौड लगाई।

रन फॉर यूनिटी दौड़ लगाते अधिकारी, कर्मचारी एवं स्कूली बच्चे।

रन फॉर यूनिटी दौड़ को रवाना करने से पूर्व उपजिलाधिकारी सदर द्वारा विभागीय अधिकारियों, कर्मचारियों, छात्र–छात्राओ, महिला मंगल दल को देश की एकता, अखण्डता व सुरक्षा की शपथ दिलाई गयी। राष्ट्रीय एकता दिवस रन फॉर यूनिटी दौड़ में मुख्य विकास अधिकारी सरदार सिंह चौहान एवं विभिन्न विभागो के अधिकारी व कर्मचारियों ने प्रतिभाग किया।

साहिया क्वानू मार्ग पर सफर जोखिमभरा

विकासनगर। साहिया–क्वानू मिनस मोटर मार्ग पर विभागीय अनदेखी के चलते सफर जोखिमभरा साबित हो रहा है। मार्ग पर बरसात के दौरान आई स्लिपों की सफाई न होने के साथ जगह–जगह बने गड्ढे राहगीरों को चोटिल कर रहे हैं। स्थानीय लोगों ने विभाग से जल्द मार्ग के सुधारीकरण की गुहार लगाई है। जौनसार– बावर क्षेत्र में साहिया क्वानु मिनस मोटर मार्ग प्रमुख मार्गों में एक है। इस मार्ग पर प्रतिदिन कोठा, तारली, पंजिटीलानी, सलगा, चिवोऊ, फेडूलानी, आरा, अस्टी, मलेथा, दुनुवा, गोना, हिडका, हाजा, दसोऊ, गवेला, दोधा, मटियाना सहित तीन दर्जन से अधिक गांवों के ग्रामीणों सफर करते हैं। लेकिन, विभागीय अनदेखी के चलते मार्ग जगह–जगह से खस्ताहाल हो रखा है।

शीतकालीन गद्दीस्थल पर विराजमान हुए बाबा केदार

डोली आगमन पर भक्तों ने किया जोरदार स्वागत

स्वागत

संवाददाता

रुद्रप्रयाग। दो पड़ावों पर रात्रि विश्राम करने के बाद भगवान केदारनाथ अपने शीतकालीन गददीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ में विराजमान हुए। अब आगामी शीतकाल के छह माह तक यहीं पर भोले बाबा की नित्य पूजाओं के साथ ही भक्त दर्शन कर सकेंगे। गत् 29 अक्टूबर को केदारनाथ धाम के कपाट बंद होने के बाद भोले बाबा की उत्सव डोली रात्रि विश्राम के लिए अपने प्रथम पड़ाव रामपुर पहुंची थी। बुधवार को भगवान केदार बाबा की उत्सव डोली विभिन्न पड़ावों पर दर्शन देने के बाद अपने दूसरे पड़ाव विश्वनाथ मंदिर गुप्तकाशी पहुंची थी।

गुरूवार को सुबह ठीक आठ बजे मुख्य पुजारी केदार लिंग ने केदारनाथ की पंचमुखी भोगमूर्ति की विशेष पूजा अर्चना कर भोग लगाया। इस दौरान गुप्तकाशी क्षेत्र के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे भक्तों ने भोले बाबा के दर्शन कर अपने परिवार की सुख समृद्धि की कामना की। जैसे ही भगवान की उत्सव डोली अपने अंतिम पड़ाव के लिए रवाना हुई, वैसे ही भक्तों के जयकारों एवं जम्मू–कश्मीर इंफ्रेंट्री रेजीमेंट की बैंड धुनों से क्षेत्र का पूरा वातावरण भक्तिमय हो गया।

उत्सव डोली भैंसारी, विद्यापीठ, जैबरी होते हुए पौने 11 बजे जैबीरी पहुंची, जहां स्थानीय लोगों ने भगवान की डोली अर्ग्य लगाया। इसके उपरान्त डोली देवदर्शनी पहुंचने पर यहां मौजूद भक्तों ने फूल मालाओं से स्वागत किया। ठीक पौने 12 बजे केदार बाबा की डोली शीतकालीन गददीस्थल ओंकारेश्वर मंदिर ऊखीमठ परिसर पहुंची, डोली के ऊखीमठ पहुंचने पर यहां उपस्थित सैकडों भक्तों ने फूल व अक्षतों से जोरदार स्वागत किया तथा भक्तों के जयकारों से पूरा क्षेत्र शिवमय हो उठा। जहां पर केदार बाबा की डोली ने मुख्य मंदिर की परिक्रमा करने के बाद डोली को गददीस्थल में ले जाया गया। जहां केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग की मौजदूगी में मंदिर पुजारी ने वैदिक मंत्रोच्चारण के साथ भोले बाबा पंचमुखी भोगमूर्ति को डोली से निकालकर मंदिर के गर्भगृह में स्थापित किया। साथ ही आगामी छह माह तक भक्त भी यहीं पर दर्शन कर सकेंगे। अंत सभी भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया।

ओंकारेश्वर मंदिर की परिकमा करती केदार उत्सव डोली।

इस अवसर पर केदारनाथ के रावल भीमाशंकर लिंग, बद्री–केदार मंदिर समिति के उपाध्यक्ष अशोक खत्री, कार्याधिकारी एनपी जमलोकी, पूर्व विधायक शैलारानी रावत, नपं अध्यक्ष विजय राणा, डोली प्रभारी युद्धवीर पुष्पाण, पुजारी केदार लिंग, शिव शंकर लिंग, राजकुमार समेत सैकडों भक्तजन उपस्थित थे।

जालसाजों के मुकदमे वापसी में सरकार को दिखा जनकल्याण

संवाददाता

विकासनगर। जन संघर्ष मोर्चा अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने कहा कि मुख्यमन्त्री जिनके पास कि गृह विभाग भी है ने अपने कार्यकाल में उन तमाम लोगों के मुकदमें वापस लेने का काम किया है, जिनके खिलाफ सामाजिक एवं आर्थिक अपराध की श्रेणी के धारा 420, 467, 468, 471, 465, 120बी, 452, 323, 504, 506 आदि के कई मुकदमें दर्ज थे।

मोर्चा कार्यालय में पत्रकारों से वार्ता करते हुए नेगी ने कहा कि उक्त मुकदमें धोखाधड़ी, कूटरचित दस्तावेज तैयार कर आर्थिक अपराध करने, धोखा व षडयन्त्र करने, मारपीट आदि के थे, जो कि संज्ञेय अपराध श्रेणी के थे। सरकार द्वारा इस प्रकार के मुकदमें वापस लेने से निश्चित तौर पर समाज में आर्थिक एवं सामाजिक अपराध व मारधाड़ करने वालों के हौसले बुलंद होंगे।

जालसाजी, कूटरचित दस्तावेज तैयार करने वालों के मुकदमें किये वापस

नेगी ने कहा कि सरकार द्वारा जो मुकदमे जनसरोकार से सम्बन्धित थे, उनको वापस लेने में मोर्चा को कोई आपत्ति नहीं है, लेकिन ऐसे संज्ञेय एवं गैरजमानती अपराध के मुकदमें वापस लेकर सरकार ने नैतिकता को तार–तार करने का काम किया है।

उच्च न्यायालय द्वारा 12 नवम्बर 2012 को एक जनहित याचिका में निर्देश दिये हैं कि ''अदालत को यह सुनिश्चित करने के लिए निर्देशित किया जाता है कि उन अनुप्रयोग को कानून के अनुसार तय किया जाता है और आपराधिक प्रक्रिया की धारा 321 के तहत अदालत के दायित्व का निर्वहन किया जाये'' यानि मुकदमें जनहित/जनकल्याण में ही वापस हों। पत्रकार वार्ता में मोर्चा उपाध्यक्ष विजयराम शर्मा, दिलबाग सिंह, भीम सिंह बिष्ट, सुशील भारद्वाज आदि उपस्थित रहे।

पत्रकार वार्ता के दौरान रघुनाथ सिंह नेगी।

आंगनबाड़ी कार्यकत्री होंगी हाईटेक

संवाददाता विकासनगर। अब आंगनबाड़ी कार्यकर्ता भी हाईटेक होंगे और उनके द्वारा किए जाने वाले सभी कार्यों का रिकार्ड आन लाइन दर्ज होगा। इसके लिए बाल विकास विभाग की ओर से प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को एक स्मार्ट फोन दिया जा रहा है। सभी कार्यों का रिकार्ड ऑन लाइन रखने की जानकारी देने के लिए विकासनगर ब्लाक के आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं का दो दिवसीय प्रशिक्षण शिविर बुधवार से प्राथमिक विद्यालय विकासनगर प्रथम में शुरू हुआ।

बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर किरन वर्मा ने बताया कि मानवीय भूलों से छुटकारा पाने के साथ ही कुपोषण मुक्त भारत बनाने के लिए भारत सरकार की ओर से आईसीडीएस कैश योजना की शुरुआत की गई है। इसके तहत आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को विभिन्न योजनाओं से संबंधित जो ग्यारह रजिस्टर दिए गए हैं, उनके बदले सिर्फ एक मोबाइल मुहैया कराए जाएगा। जिस पर सभी जानकारियां मुहैया होने के साथ ही प्रत्येक कार्यकर्ता द्वारा सभी योजनाओं से संबंधित कार्यों और आंकड़ों को एक पोर्टल पर दर्ज करना होगा। बताया कि इसकी मॉनिटरिंग भारत सरकार के बाल विकास विभाग की ओर से की जाएगी।

Page Three

Classified

Adds can be booked under these Categories : (all day publication)

Recruitment
Property
Business Opportunity
Vehicles
Announcements
Antiques & Collectables
Barter
Books
Computers
Domain Names
Education
Miscellaneous
Entertainment & Event
Hobbies & Interests
Services
Jewellery & Watches
Music
Obituary
Pets & Animals
Retail
Sales & Bargains
Health & Sports
Travel

Matrimonial (Sunday Only)

अब मात्र रु. 20 प्रति शब्द

न्यूज डायरी

मुस्लिम समाज भी चाहता है अयोध्या में बने भव्य राम मंदिरः प्रह्लाद मोदी

संवाददाता हरिद्वार। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाई प्रहलाद मोदी ने कहा कि आज मुस्लिम समाज के लोग भी चाहते हैं कि अयोध्या में भगवान श्रीराम का भव्य मंदिर बने। भगवान की इच्छा होगी तो मंदिर अवश्य बनेगा। धर्मनगरी में स्लॉटर हाउस बनाना या न बनाना सरकार का काम है। यदि कोई भवन बनने से किसी का भला होता है तो इसका विरोध बेमानी है।
प्रहलाद मोदी गुरुवार को दिल्ली से ऋषिकेश जाते समय अल्प विश्राम के लिए डामकोठी में ठहरे थे। बताया वह ऋषिकेश के परमार्थ निकेतन में अहमदाबाद गुजरात के संत के प्रवचन में शामिल होने जा रहे हैं। अयोध्या में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई पूरी होने और मंदिर बनने के सवाल पर कहा अब तो मुस्लिम समाज के लोग भी चाहते हैं अयोध्या में भव्य श्रीराम मंदिर बने।

फूलों की घाटी पर्यटकों के लिए बंद, अब अगले साल उठा पाएंगे यहां के सौंदर्य का लुत्फ

संवाददाता देहरादून। नंदा देवी राष्ट्रीय उद्यान और विश्व प्रसिद्ध फूलों की घाटी बुधवार को पर्यटकों के लिए बंद कर दी गई है। इस साल 17 हजार से अधिक सैलानी फूलों की घाटी के दीदार को पहुंचे, जो कि एक रिकॉर्ड है। अब सैलानी अगले साल जून में घाटी की सैर कर वहां के सौंदर्य का लुत्फ उठा पाएंगे। समुद्रतल से करीब 12500 फीट की ऊंचाई पर 87.5 वर्ग किलोमीटर क्षेत्रफल में फैली फूलों की घाटी जैव विविधिता का खजाना है। यहां दुर्लभ प्रजाति के फूल, वन्य जीव–जंतु, जड़ी–बूटियां और पक्षी पाए जाते हैं। साल 1931 में फूलों की घाटी की खोज ब्रिटिश पर्वतारोही फ्रेंकस्मिथ ने की थी। उन्होंने वैली ऑफ फ्लावर नाम की पुस्तक की रचना भी की। साल 1982 में घाटी को राष्ट्रीय उद्यान घोषित किया गया और वर्ष 2005 में यूनेस्को ने इसे विश्व धरोहर घोषित किया।

डोईवाला क्षेत्र में हो रही चोरियों पर पुलिस नहीं लगा पा रही कोई अंकुश

संवाददाता देहरादून। डोईवाला नगर व ग्रामीण क्षेत्र इन दिनों चोरों के लिए बेहद आसान बना हुआ है। चोर पुलिस के लिए एक पहेली बन गए हैं। एक के बाद एक चोरी से पुलिस–प्रशासन की नींद उड़ी हुई है। वहीं डोईवाला मे हो रही चोरियो से स्थानीय लोग नाराज है। डोईवाला मे खत्ता मे 2, प्रेमनगर की पान्डे गली 2, चान्दमारी 2, मिल रोड पर 2 और केश्वपूरी बस्ती मे 2 चोरियां हुई थी। जिसके बाद डोईवाला की कोतवाली पुलिस हरकत मे तो आई लेकिन सिर्फ खत्ते रोड पर हुई 2 दुकान की चोरियो का खुलासा पुलिस ने किया लेकिन अन्य सभी चोरियां पुलिस के लिए अभी भी पहेलियाँ ही बनी हुई है।